



CTET DEC 2024 **L-II**



बुनियाद (II) बैच 2024

GEOGRAPHY

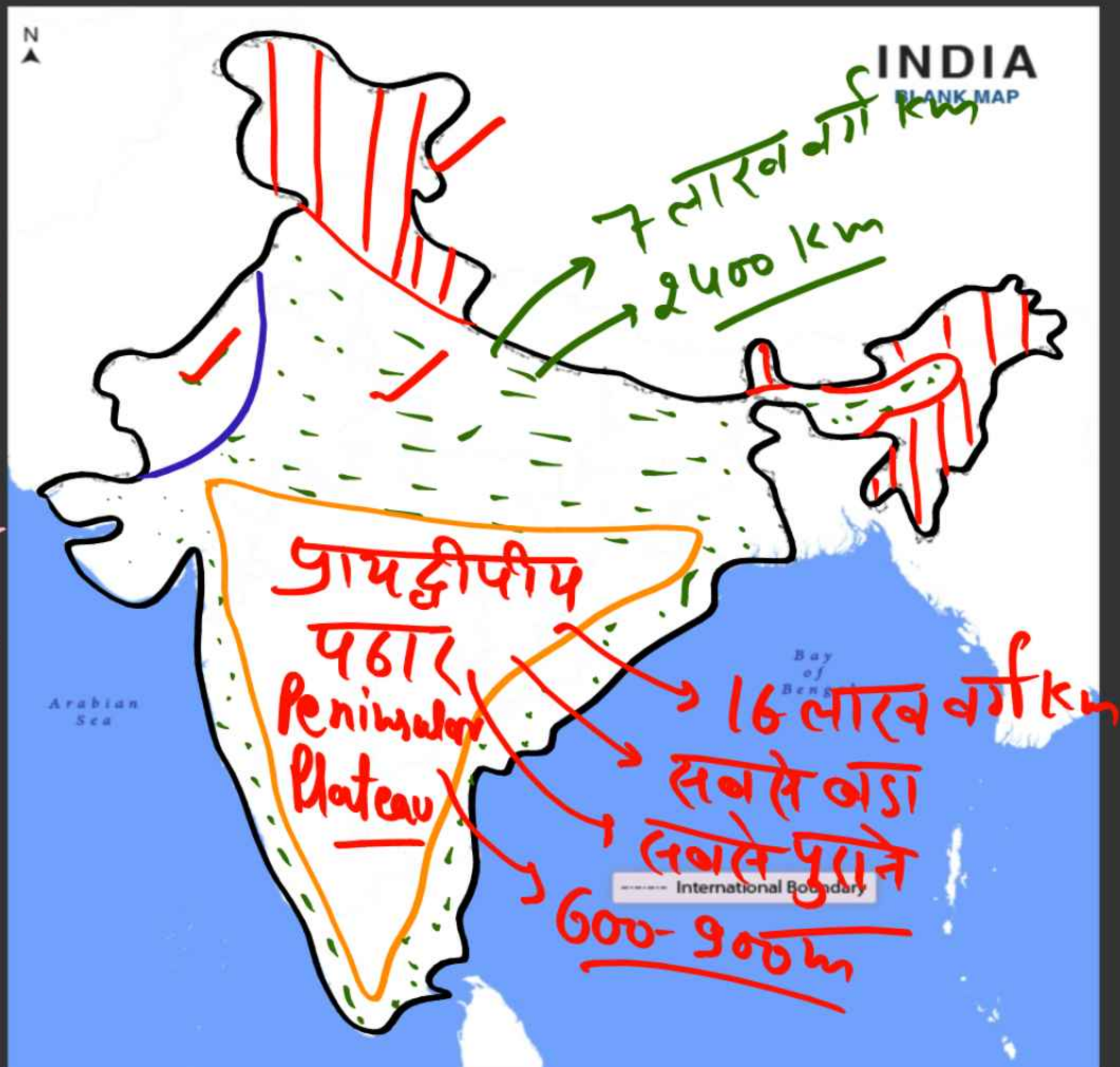
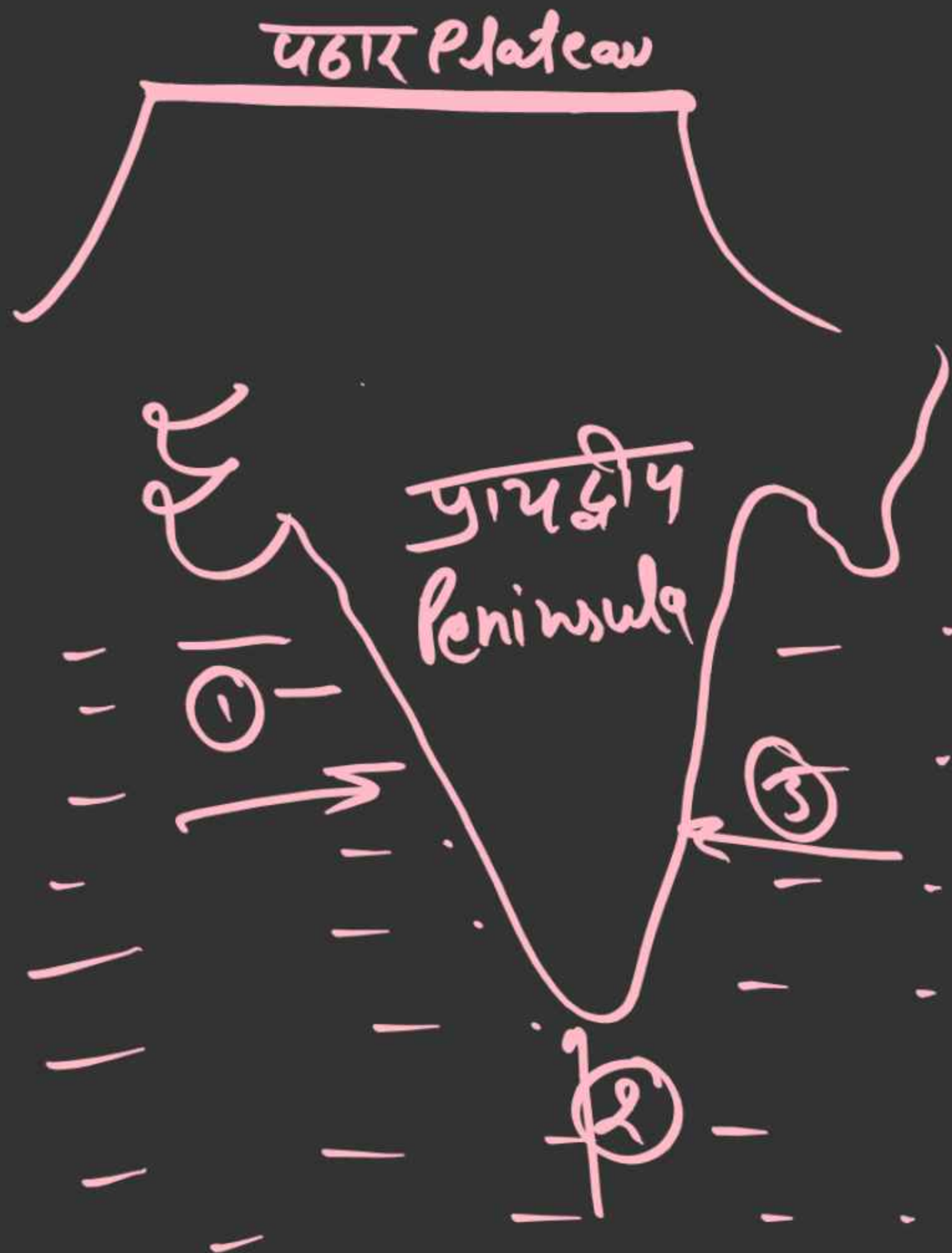
भारत के पर्वत पठार

Part -2

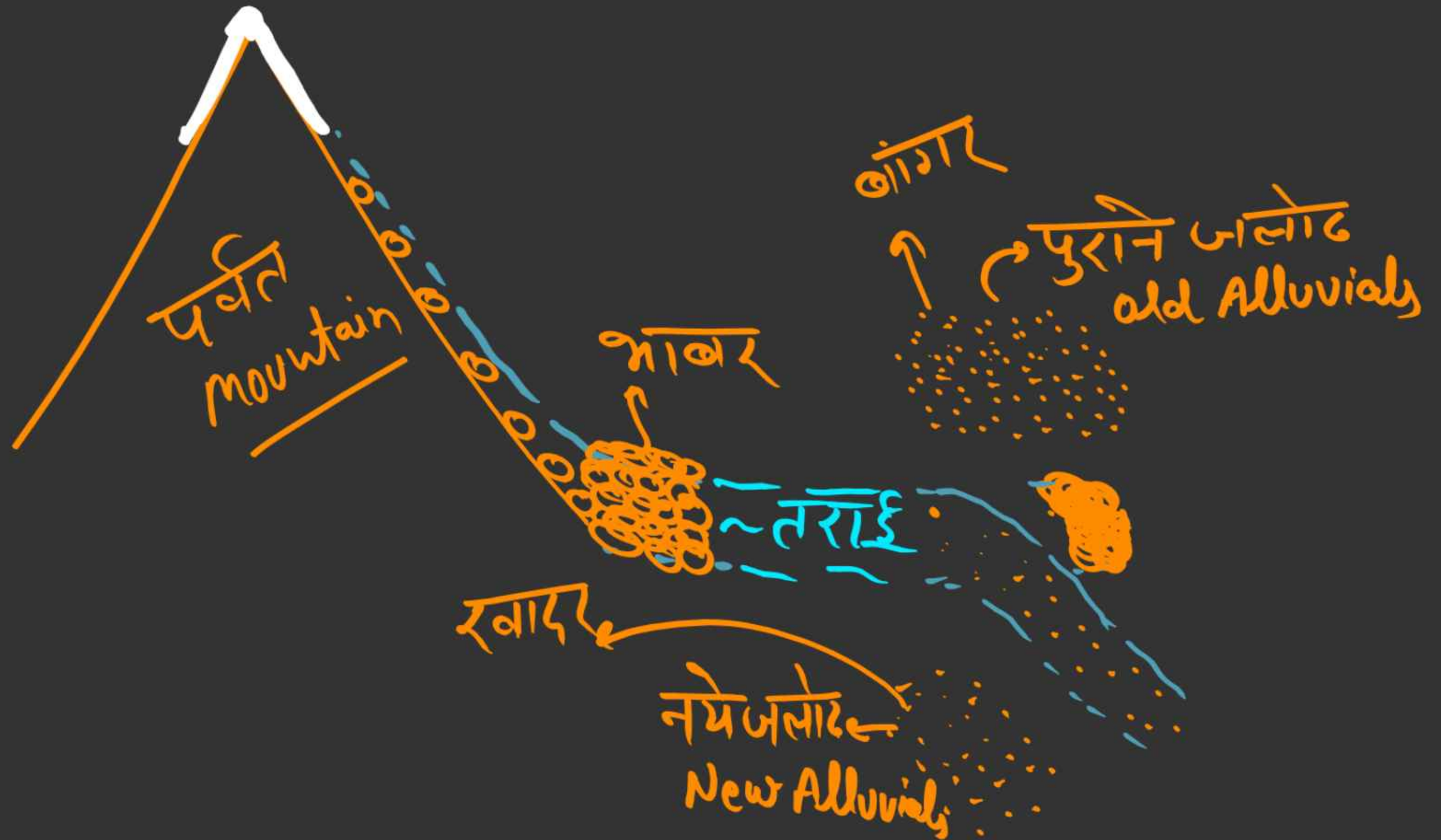


LIVE

01-10-2024 09:00 AM



उत्तरी मैदान- उत्तरी मैदान तीन प्रमुख नदी प्रणालियों- सिंधु, गंगा एवं ब्रह्मपुत्र तथा इनकी सहायक नदियों से बना है। यह मैदान जलोढ़ मृदा से बना है। लाखों वर्षों में हिमालय के गिरिपाद में स्थित बहुत बड़े बेसिन (द्रोणी) में जलोढ़ों का निक्षेप हुआ, जिससे इस उपजाऊ मैदान का निर्माण हुआ है। इसका विस्तार 7 लाख वर्ग कि०मी० के क्षेत्र पर है। यह मैदान लगभग 2,400 कि०मी० लंबा एवं 240 से 320 कि०मी० चौड़ा है। यह सघन जनसंख्या वाला भौगोलिक क्षेत्र है। समृद्ध मृदा आवरण, पर्याप्त पानी की उपलब्धता एवं अनुकूल जलवायु के कारण कृषि की दृष्टि से यह भारत का अत्यधिक उत्पादक क्षेत्र है।(Ncert-9)



आकृतिक भिन्नता के आधार पर उत्तरी मैदानों को चार भागों में विभाजित किया जा सकता है-

On the basis of morphological differences, the northern plains can be divided into four parts-

भाबर-नदियाँ पर्वतों से नीचे उतरते समय शिवालिक की ढाल पर 8 से 16
कि०मी० के चौड़ी पट्टी में गुटिका का निक्षेपण करती हैं। (सिंधु - तिस्ता के
बीच) इसे 'भाबर' के नाम से जाना जाता है। सभी सरिताएँ इस भाबर पट्टी में
विलुप्त हो जाती हैं। (Ncert-9)

Bhabar-While descending from the mountains, the rivers deposit gravels on the slopes of Shivalik in a wide strip of 8 to 16 km (Between Indus and teesta). This is known as 'Bhabar'. All the streams disappear in this Bhabar strip.

तराई- भाबर पट्टी के दक्षिण में सरिताएँ एवं नदियाँ पुनः निकल आती हैं। एवं नम तथा दलदली क्षेत्र का निर्माण करती हैं, जिसे 'तराई' कहा जाता है। यह वन्य प्राणियों से भरा घने जंगलों का क्षेत्र था। बँटवारे के बाद पाकिस्तान से आए शरणार्थियों को कृषि योग्य भूमि उपलब्ध कराने के लिए इस जंगल को काटा जा चुका है।(Ncert-9)

Terai-To the south of Bhabar strip, these streams and rivers emerge again and form a moist and marshy area, which is called 'Terai'. This was an area of dense forests full of wild animals. After partition, this forest has been cut down to provide cultivable land to the refugees who came from Pakistan.

भांगर

भांगर - उत्तरी मैदान का सबसे विशालतम भाग पुराने जलोढ़ का बना है। वे नदियों के बाढ़ वाले मैदान के ऊपर स्थित हैं तथा वेदिका जैसी आकृति प्रदर्शित करते हैं। इस भाग को 'भांगर' के नाम से जाना जाता है। इस क्षेत्र की मृदा में चूनेदार निक्षेप पाए जाते हैं, जिसे स्थानीय भाषा में 'कंकड़' कहा जाता है। (Ncert-9)

Bhangar - The largest part of the northern plain is made up of old alluvium. They are situated above the flood plains of the rivers and show a terrace-like shape. This part is known as 'Bhangar'. Calcareous deposits are found in the soil of this region, which are called 'kankar' in the local language.

खादर - बाढ़ वाले मैदानों के नये तथा युवा निक्षेपों को 'खादर' कहा जाता है। इनका लगभग प्रत्येक वर्ष पुननिर्माण होता है, इसलिए ये उपजाऊ होते हैं तथा गहन खेती के लिए आदर्श होते हैं।(Ncert-9)

Khaddar-The new and young deposits of the flood plains are called 'khadar'. These are regenerated almost every year, so they are fertile and ideal for intensive farming.

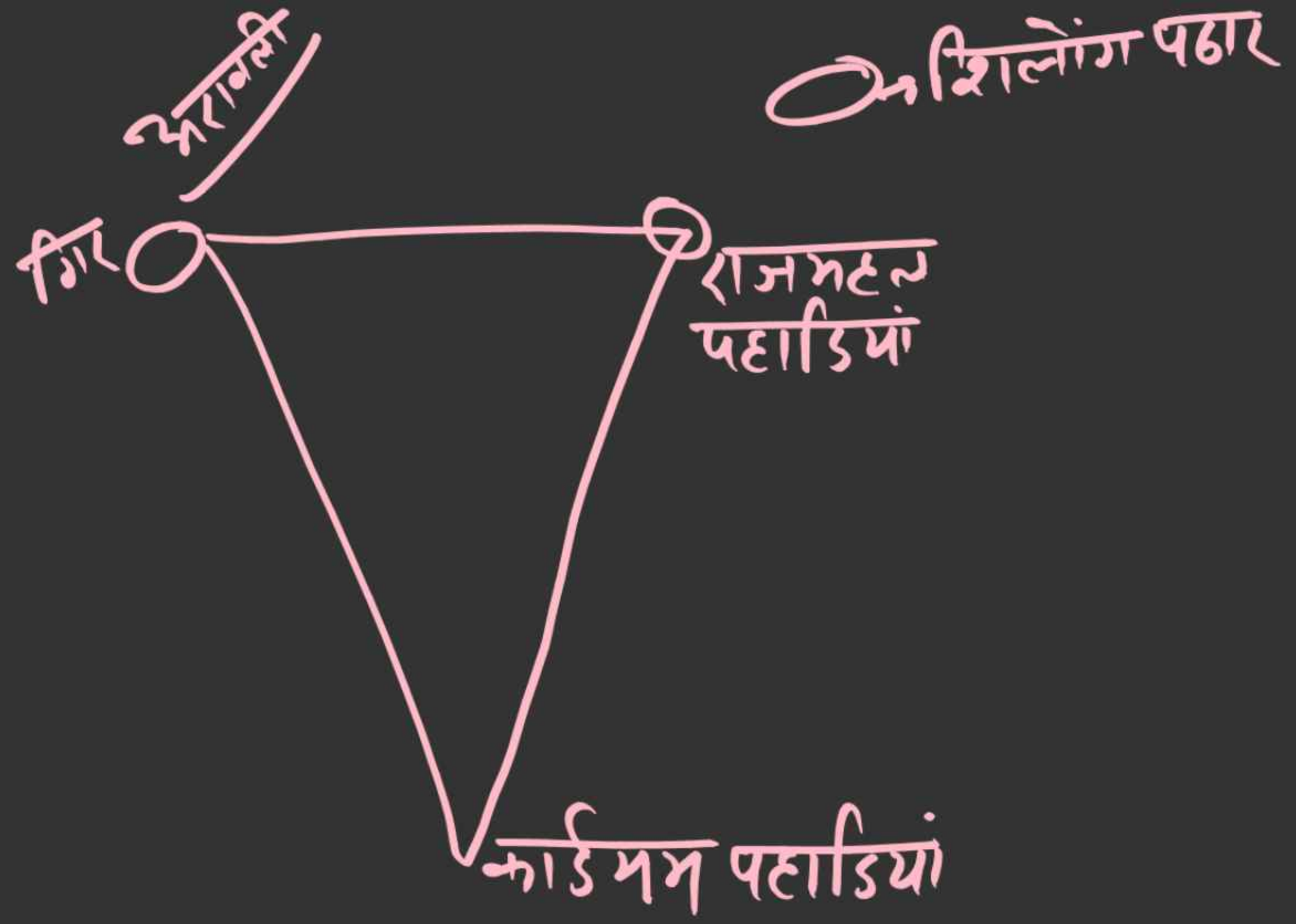
प्रायद्वीपीय पठार(Peninsular Plateaus)

यह प्राचीन गोंडवाना भूमि का भाग है, जो त्रिभुजाकार आकृति में है। यह
समुद्र तल से 600 से 900 मीटर की ऊँचाई पर स्थित है। (Ncert-11)

It is a part of the ancient Gondwana land, a triangular formation. It is situated at an altitude of 600 to 900 metres above sea level.

इस प्रायद्वीपीय पठार की बाहरी सीमाएँ उत्तर-पश्चिम में अरावली , पूर्व में राज महल पहाड़ियाँ, पश्चिम में गिर पर्वतमाला और दक्षिण में कार्डामम पहाड़ियों द्वारा चिह्नित हैं। शिलांग और कार्बी-एंगलोंग पठार उत्तर-पूर्व की ओर एक निरंतरता है।(Ncert)

The outer boundaries of this peninsular plateau are marked by the Aravallis in the north-west, the Raj Mahal Hills in the east, the Gir ranges in the west and the Cardamom Hills in the south. The Shillong and Karbi-Anglong plateaus are a continuation towards the north-east.



इस प्रकार इसका विस्तार 16 लाख वर्ग किमी. क्षेत्र पर है।

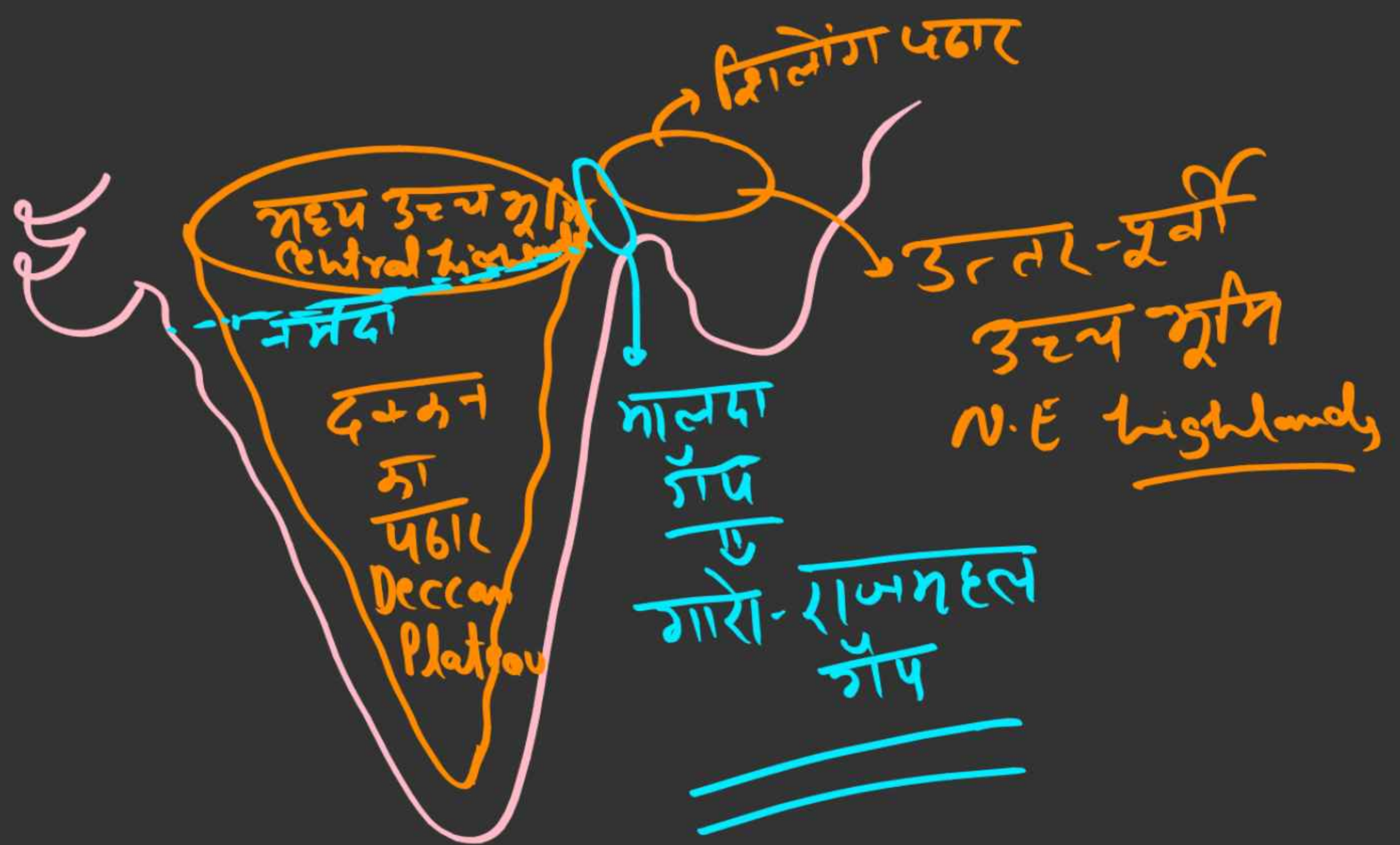
its area is spread over 16 lakh square km.

क्षेत्रफल की दृष्टि से यह भारत का सबसे बड़ा भौतिक प्रदेश है। यह भारतीय उप महाद्वीप का सबसे प्रचीनतम भू-खण्ड है। यह गोंडवाना भूभाग के टूटने और खिसकने से बना है। इन क्षेत्रों की चट्टानें आग्नेय हैं क्योंकि वे ज्वालामुखी गतिविधि से आई हैं। समय के साथ, ये चट्टानें घिसकर काली मिट्टी बन गई हैं।

It is the largest physical region of India in terms of area. It is the oldest land mass of the Indian subcontinent. It was formed by the breaking and sliding of the Gondwana land mass. The rocks of these regions are igneous as they have come from volcanic activity. Over time, these rocks have eroded and become black soil.

प्रायद्वीपीय पठार को उसके भूदृश्य के आधार पर तीन मुख्य भागों में
विभाजित किया जा सकता है(Ncert-11):-

**The peninsular plateau can be divided into three main parts
on the basis of its landscape (Ncert-11):-**



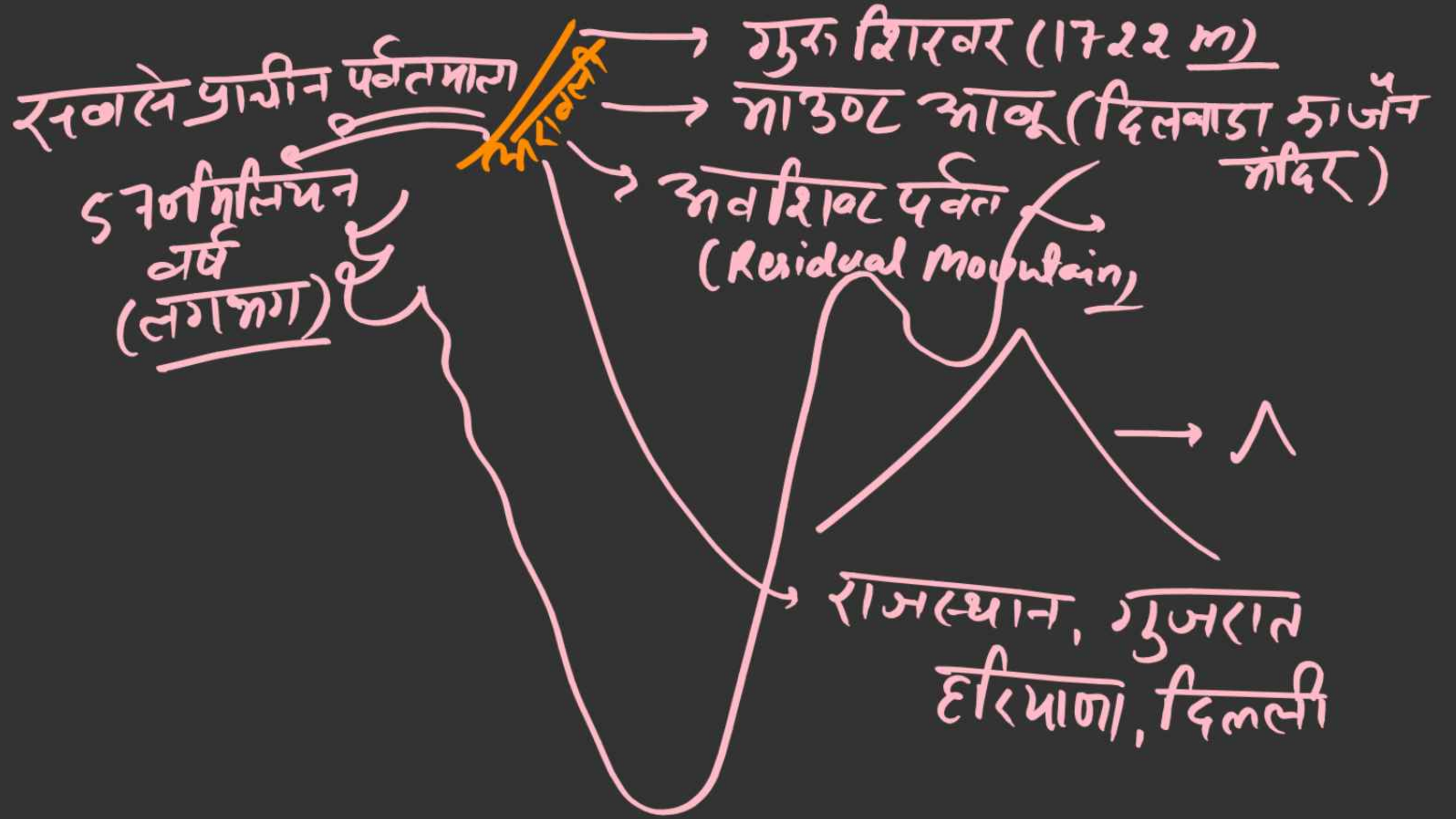
- ① मध्य उच्च भूमि
(Central highlands)
- ② देक्कन का पठार
(Deccan Plateau)
- ③ उत्तर-पूर्वी उच्च भूमि
N.E highlands

मध्य उच्च भूमि Central highlands

→ ये नर्मदा नदी के उत्तर में स्थित हैं
It is situated in the north of narmada river.

→ इसके अंतर्गत निम्न क्षेत्र शामिल हैं -
following Areas are in it -

- ① अरावली
- ② विंध्यचल
- ③ मालवा पठार
- ④ छोटा नागपुर पठार



मध्य उच्चभूमि(Central highlands)

अरावली पर्वत – भारत की सबसे प्राचीन पर्वतमाला ।

Aravalli Mountains – The oldest mountain range of India.

निर्माण – प्री कैम्ब्रियन युग में, आयु – 570 मिलियन वर्ष (लगभग)

Formation – in the Pre Cambrian era Age – 570

सर्वोच्च शिखर – गुरुशिखर (1722m)

Highest peak – Gurushikhar (1722m)

पर्वतीय नगर – माउण्ट आबु (दिलवाड़ा का जैनमंदिर)

Mountain City – Mount Abu (Jain Temple of Dilwara)

विस्तार – दिल्ली, गुजरात, राजस्थान, हरियाणा

Extension – Delhi, Gujarat, Rajasthan, Haryana

अवशिष्ट पर्वत \Residual Mountains.